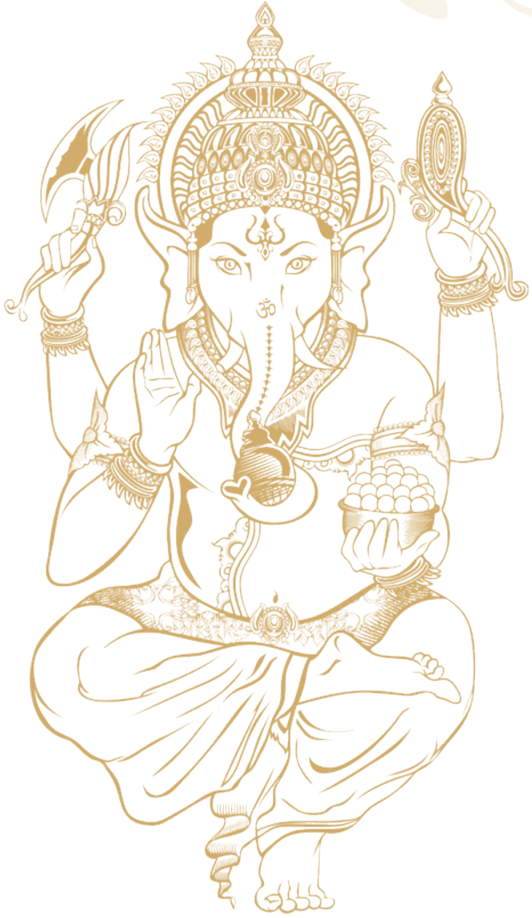

Subhash chand

09 Apr 1976

05:44 PM

Nagrota

Model: web-freekundliweb

Order No: 121662103

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**09/04/1976**
दिन	शुक्रवार
जन्म समय	**17:44:00 घंटे**
इष्ट	29:12:00 घटी
स्थान	**Nagrota**
राज्य	Himachal Pradesh
देश	India

अक्षांश	32:03:00 उत्तर
रेखांश	76:24:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:24:24 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	17:19:36 घंटे
वेलान्तर	-00:01:35 घंटे
साम्पातिक काल	06:31:03 घंटे
सूर्योदय	06:03:11 घंटे
सूर्यास्त	18:49:20 घंटे
दिनमान	12:46:09 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वसन्त
सूर्य के अंश	26:14:34 मीन
लग्न के अंश	13:07:39 कन्या

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कन्या - बुध
राशि-स्वामी	**कर्क - चन्द्र**
नक्षत्र-चरण	**आश्लेषा - 1**
नक्षत्र स्वामी	बुध
योग	धृति
करण	तैतिल
गण	राक्षस
योनि	मार्जार
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	विप्र
वश्य	जलचर
वर्ग	श्वान
युँजा	मध्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	डी-डीगेश्वर
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मेष

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कन्या	13:07:39	309:07:42	हस्त	1	13	बुध	चंद्र	राहु	---
सूर्य			मीन	26:14:34	00:58:54	रेवती	3	27	गुरु	बुध	गुरु	मित्र राशि
चंद्र			कर्क	17:37:08	13:49:12	आश्लेषा	1	9	चंद्र	बुध	बुध	स्वराशि
मंगल			मिथु	16:48:47	00:29:59	आर्द्रा	4	6	बुध	राहु	शुक्र	शत्रु राशि
बुध		अ	मेष	04:39:20	02:03:27	अश्विनी	2	1	मंगल	केतु	चंद्र	सम राशि
गुरु			मेष	09:45:31	00:14:12	अश्विनी	3	1	मंगल	केतु	शनि	मित्र राशि
शुक्र			मीन	07:52:22	01:13:55	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	केतु	उच्च राशि
शनि			कर्क	02:38:45	00:01:24	पुनर्वसु	4	7	चंद्र	गुरु	राहु	शत्रु राशि
राहु	व		तुला	19:12:40	00:01:43	स्वाति	4	15	शुक्र	राहु	चंद्र	मित्र राशि
केतु	व		मेष	19:12:40	00:01:43	भरणी	2	2	मंगल	शुक्र	राहु	मित्र राशि
हर्ष	व		तुला	12:14:52	00:02:25	स्वाति	2	15	शुक्र	राहु	शनि	---
नेप	व		वृश्चि	20:16:47	00:00:46	ज्येष्ठा	2	18	मंगल	बुध	शुक्र	---
प्लूटो	व		कन्या	16:33:04	00:01:39	हस्त	2	13	बुध	चंद्र	शनि	---
दशम भाव			मिथु	13:36:16	--	आर्द्रा	--	6	बुध	राहु	बुध	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:31:44

लग्न-चलित

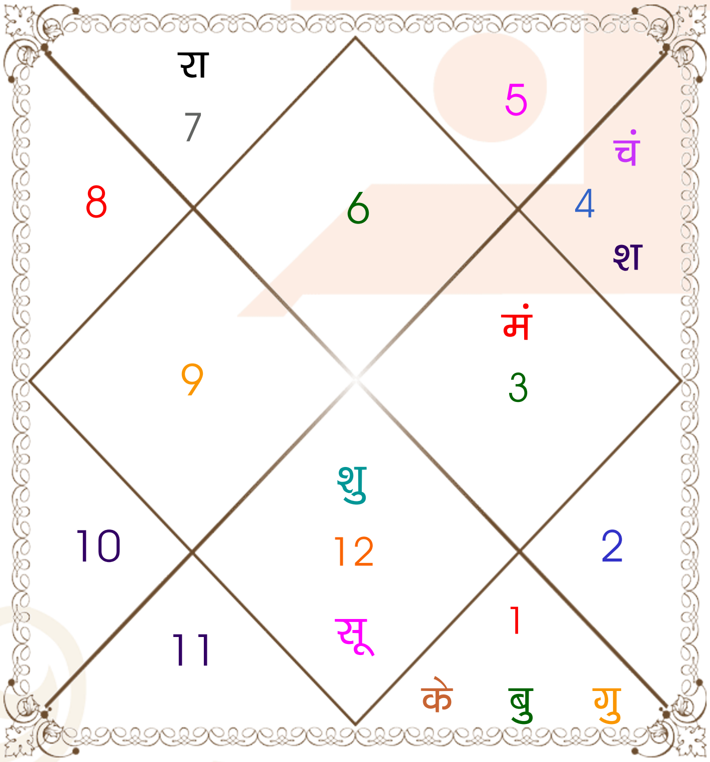

चन्द्र कुंडली

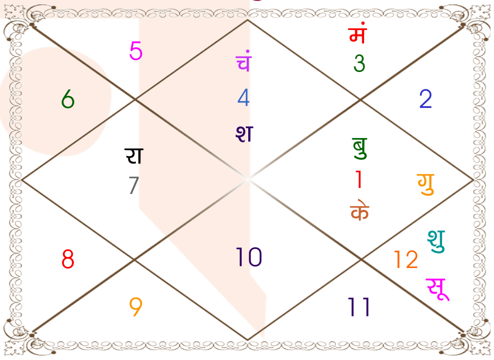

नवमांश कुंडली

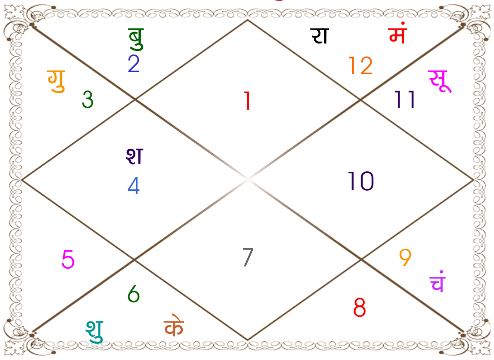

Aspect of astrology
VPO POLIAN PUROHITAN TEH AMB DISTRICT UNA HIMACHAL PRADESH
9317231515
Subhash2535@gmail.com

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : बुध 15 वर्ष 9 मास 13 दिन

बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
09/04/1976		22/01/1992		22/01/1999		22/01/2019		21/01/2025	
22/01/1992		22/01/1999		22/01/2019		21/01/2025		22/01/2035	
बुध	19/06/1977	केतु	19/06/1992	शुक्र	23/05/2002	सूर्य	11/05/2019	चंद्र	22/11/2025
केतु	17/06/1978	शुक्र	19/08/1993	सूर्य	24/05/2003	चंद्र	10/11/2019	मंगल	23/06/2026
शुक्र	17/04/1981	सूर्य	25/12/1993	चंद्र	21/01/2005	मंगल	17/03/2020	राहु	23/12/2027
सूर्य	21/02/1982	चंद्र	26/07/1994	मंगल	23/03/2006	राहु	09/02/2021	गुरु	23/04/2029
चंद्र	23/07/1983	मंगल	22/12/1994	राहु	23/03/2009	गुरु	28/11/2021	शनि	22/11/2030
मंगल	20/07/1984	राहु	10/01/1996	गुरु	22/11/2011	शनि	10/11/2022	बुध	22/04/2032
राहु	06/02/1987	गुरु	16/12/1996	शनि	22/01/2015	बुध	16/09/2023	केतु	21/11/2032
गुरु	14/05/1989	शनि	25/01/1998	बुध	22/11/2017	केतु	22/01/2024	शुक्र	23/07/2034
शनि	22/01/1992	बुध	22/01/1999	केतु	22/01/2019	शुक्र	21/01/2025	सूर्य	22/01/2035

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष	
22/01/2035		22/01/2042		22/01/2060		22/01/2076		22/01/2095	
22/01/2042		22/01/2060		22/01/2076		22/01/2095		00/00/0000	
मंगल	20/06/2035	राहु	04/10/2044	गुरु	11/03/2062	शनि	25/01/2079	बुध	09/04/2096
राहु	07/07/2036	गुरु	27/02/2047	शनि	22/09/2064	बुध	04/10/2081		00/00/0000
गुरु	13/06/2037	शनि	03/01/2050	बुध	28/12/2066	केतु	13/11/2082		00/00/0000
शनि	23/07/2038	बुध	23/07/2052	केतु	04/12/2067	शुक्र	12/01/2086		00/00/0000
बुध	20/07/2039	केतु	10/08/2053	शुक्र	04/08/2070	सूर्य	25/12/2086		00/00/0000
केतु	17/12/2039	शुक्र	10/08/2056	सूर्य	24/05/2071	चंद्र	26/07/2088		00/00/0000
शुक्र	15/02/2041	सूर्य	05/07/2057	चंद्र	22/09/2072	मंगल	04/09/2089		00/00/0000
सूर्य	22/06/2041	चंद्र	04/01/2059	मंगल	28/08/2073	राहु	10/07/2092		00/00/0000
चंद्र	22/01/2042	मंगल	22/01/2060	राहु	22/01/2076	गुरु	22/01/2095		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल बुध 15 वर्ष 9 मा 6 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म हस्त नक्षत्र के प्रथम चरण में कन्या लग्न के उदयकाल में हुआ था। साथ ही उस समय मेदिनीय क्षितिज पर मेष राशि का नवमांश एवं मकर राशि का द्रेष्काण भी उदित था। जिसके प्रभाव से यह स्पष्ट हो रहा है कि आप द्विस्वाभात्मक गुणों युक्त हैं। आप धार्मिक ग्रंथों कर अध्ययन का धर्म मार्ग में प्रवीण हो गए हैं तथा यह सन्देहास्पद विषय है कि आप इस मार्ग के सहारे अपने लक्ष्य को सम्पादित कर सकेंगे।

आप कुप्रवृति से दूसरों को सताकर धन का संचय करेंगे। ऐसा प्रतीत होता है कि आप धन की सुनिश्चितता के लिए किसी भी हद तक जा सकते हैं। आप किसी को भी आकर्षित कर अर्थात प्रलोभन देकर विश्वास दे सकते हैं। आप निष्ठुर उद्‌मी एवं परिश्रमी अध्यवसायी प्रवृति के हैं। आप किसी को भी आकर्षित कर अर्थात प्रलोभन देकर विश्वास दे सकते हैं और मनुष्योचित जरूरतों की पूर्ति हेतु आप कोई स्पष्ट चाल चलकर अपने उद्देश्य की पूर्ति हेतु पश्चाताप करोगे। आप प्रसन्नचित एवं भाग्यशाली व्यक्ति हैं। आप संसारिक सुख का आनन्द प्राप्त करेंगे। आप अच्छे हृदय से अनेक प्रकार के सामाजिक कार्य में भाग लेगें। आप सदैव ही सभी के प्रेम सहवास की आकांक्षा रखेंगे।

आप कई वर्षों तक वैवाहिक संस्कार ग्रहण नहीं करेंगे। परन्तु जब आप एक वार अपनी जीवन संगिनी का चयन कर लेंगे तो विवाहोपरान्त उसमें जोंक की तरह चिपक जाएँगे। अर्थात सदैव उसके तन-मन के साथ रहेंगे। यह सत्य है कि आप अपने परिवार के प्रति पूर्ण समर्पित रहेंगे। आपकी पत्नी आपके साथ एक पत्नी की अनिवार्य भूमिका अदा करेगी तथा सदैव ही प्रसन्नता की बिन्दु तलाश कर आपको प्रसन्न रखेगी। आप अपनी पत्नी के माध्यम से सदैव ही अच्छी सन्तान ग्रहण करेंगे। आपको उसके सम्बन्ध में कदापि भी उदासीन एवं चिन्तनीय दशा नहीं रहेगा। वह निश्चित रूप से आपकी सन्तान को शिक्षित कर सुविधापूर्वक जीवन को व्यवस्थित कर देंगी।

आपकी सामुद्रिक विदेश की यात्रा सभी प्रकार से मधुर मंगलमय नहीं होगी। आप स्वयं के बचाव के लिए प्रभावशाली बंधन पाल रखा है जो जीवन का अवरोधक एवं द्वन्दात्मक बना दिया है। आप निशचित रुप से स्वतः एकाग्रतापूर्वक एकमत से विचार कर किसी भी विषय को सम्पादित करने के लिए सक्षम हैं। परन्तु सम्प्रति आपकी बुद्धि अस्थिर है। आप पुनः अव्यवस्था का प्रतिकार कर लिया है तथा आपको सुव्यवस्थित समय का लाभ प्राप्त होगा। आपकी यह विशेषता है कि आप स्वच्छन्द रहते हैं। आप अपने मस्तिष्क को विषय वस्तु की ओर प्रवृत कर आप पुनः उत्साह पूर्वक कार्यारम्भ करने के लिए तैयार हो जाऐं।

आप अपनी मद्यपान करने की प्रवृति का त्याग करें। यदि आप अपनी स्वास्थ्य रक्षा चाहते हैं तथा युवावस्था का लाभ प्राप्त करना चाहते हैं। अपनी युवावस्था अर्थात मध्यम आयु का आनन्द एवं लाभ प्राप्त करें। आप अपनी जीवन पद्धति के ह्रासमुखी अवधारणा को बदल सकते हैं। अन्यथा आप ज्यो-ज्यों आयु पथ पर प्रौढ़ता प्राप्त करते जाएंगे। आपको मध्यपान का अनुभव प्राप्त होगा और आपको रूग्नकारी प्रभाव से प्रभावित कर देगा। वैसे आप किसी विषम

रोग से आक्रान्त तो नहीं होगें। परन्तु आपको सिरोवेदना, पीठ के दर्द, ट्यूमर एवं रक्तचाप वृद्धावस्था में कष्टकर न हो। अतः सतर्कता बरतनी चाहिए। सम्प्रति आप दीर्घ जीवन व्यतीत करने के प्रति आश्वस्त रहें। आपका संभावित रोगादि के प्रति सुरक्षात्मक अभिरूचि रखना चाहिए ताकि आपका जीवन रोग मुक्त एवं सुरक्षित रहे।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन बुधवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। शनिवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आपके लिए वास्तव में अंक 2, 3, 5, 6 एवं 7 अंक अनुकूल हैं तथा अंक 1 एवं 8 अंक आपके लिए त्यागनीय है।

आपके लिए अनुकूल एवं भाग्यशाली रंग पीला, सूआपंखी, हरा रंग है। आपके लिए रंग लाल, बल्लू एवं काला रंग प्रतिकूल है।

VPO POLIAN PUROHITAN TEH AMB DISTRICT UNA HIMACHAL PRADESH
9317231515
Subhash2535@gmail.com